



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

शिमला, सोमवार 20 अगस्त, 2001/29 श्रावण, 1923

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचनाएं

शिमला-171004; 2 अगस्त, 2001

संख्या 6-13/94-वि० स०.—माननीय अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश विधान सभा, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के विनियम, 1992 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकार से विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों को दी जाने वाली वर्दी के आपूर्ति नियम, 1994 का निरसन करते हुए उसके स्थान पर सभा पटल अधिकारियों तथा देखभाल कर्मचारियों को विशेष वर्दियां प्रदान करने के लिए अधोलिखित नये नियम बनाते हैं:—

1. ये नियम 'हिमाचल प्रदेश विधान सभा के सभा पटल अधिकारियों तथा देखभाल कर्मचारियों को विशेष वर्दी से सम्बन्धित नियम, 2001' कहलायेंगे।

2. ये नियम तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

3. परिभाषाएं :

‘अध्यक्ष’ का तात्पर्य संविधान के अनुच्छेद 178 के अन्तर्गत सभा द्वारा चुने गए सदस्य से है।

‘सचिव’ का तात्पर्य विधान सभा के सचिव से है।

‘सचिवालय’ का तात्पर्य शिमला स्थित विधान सभा सचिवालय से है।

‘सभा पटल अधिकारियों’ से तात्पर्य उन अधिकारियों से है जो कि अवर सचिव या उससे ऊपर के पदों पर कार्य करते हैं तथा सभा के इस कार्य से सम्बन्धित हैं।

‘प्रतिवेदक’ का तात्पर्य वरिष्ठ प्रतिवेदकों सहित उन अधिकारियों से है जो कि सभा के इस कार्य के लिए नियुक्त हैं।

‘देखभाल कर्मचारी’ का तात्पर्य उन तृतीय तथा चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों से है जो कि सभा के कार्य हेतु सभा मंडप में कार्यरत हैं।

4. विशेष वर्दी :

विशेष वर्दी निम्न अधिकारियों/कर्मचारियों को दी जायेगी जिसका विवरण परिशिष्ट में दिखाया गया है।

(क) सचिव।

(ख) संयुक्त सचिव/सम्पादक कार्यवाही/वरिष्ठतम उप-सचिव/अवर सचिव (विधायन)/शाखा अधिकारी (प्रशासन)/मुख्य प्रतिवेदक।

(ग) वरिष्ठ प्रतिवेदक एवं प्रतिवेदक।

(घ) देखभाल कर्मचारी जिनमें चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी भी सम्मिलित हैं जो कि सभा का कार्य करने के लिए सचिव द्वारा मनोनीत किए जायें।

5. विशेष वर्दी देने की प्रक्रिया :

सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को गर्मियों तथा सदियों के लिए विशेष वर्दी की उपलब्धता उसी अनुपात में करवाई जायेगी जो कि परिशिष्ट में दर्शायी गई है।

6. वर्दियां क्य करने की प्रक्रिया :

वर्दियां क्य करने से पूर्व वर्दी के कपड़े का स्तर तथा रंग सचिव द्वारा परिशिष्ट के अनुसार अनुमोदित किया जायेगा। अधिकारियों तथा कर्मचारियों को दी जाने वाली गर्मियों तथा सदियों की वर्दी का स्तर तथा रंग का उल्लेख परिशिष्ट में किया गया है।

7. विशेष वर्दी की कीमत :

विशेष वर्दी की कीमत परिशिष्ट में दर्शायी गई है जिसे समय-समय पर अध्यक्ष विधान सभा की अनुमति से कीमतों में वृद्धि को देखते हुए संशोधित किया जा सकता है।

8. वर्दियों का क्रय करने की शक्ति :

परिशिष्ट में वर्णित अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए वर्दी हेतु निर्धारित राशि की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने के लिए सचिव विधान सभा सक्षम होंगे।

9. वर्दियाँ देने की प्रक्रिया :

वर्दियों के क्रय एवं वितरण का पूर्ण लेखा-जोखा विधान सभा की प्रशासन शाखा में रखा जायेगा और विशेष वर्दियाँ देने के प्रावधान के अनुरूप ही वर्दियाँ उपलब्ध कराई जायेंगी।

10. वर्दियों का रख-रखाव तथा उपयोग :

विधान सभा सत्र के कार्य के लिए सदन में नियुक्त सभी अधिकारी एवं कर्मचारी वर्दी पहन कर सभा मण्डप में उपस्थित होंगे। इसके अतिरिक्त जब भी विशेष अवसर पर आदेश हों, सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी विशेष वर्दी पहन कर विधान सभा सचिवालय में उपस्थित होंगे। वर्दी का रख-रखाव तथा उसे स्वच्छ रखने का पूरा दायित्व सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी का होगा जिसके लिए उसे कोई भत्ता नहीं दिया जायेगा।

11. देखभाल कर्मचारियों में से एक के लिए विशेष प्रावधान :

देखभाल कर्मचारियों में से एक को, जो कि अनन्य रूप से पीठासीन अधिकारी के कार्य हेतु सभा मण्डप में तैनात होगा, परिशिष्ट में दर्शाये गए प्रावधान के अनुरूप पगड़ी तुरन्त एवं टैनिंग जूते अतिरिक्त तौर पर उपलब्ध कराये जायेंगे।

12. नियमों का निरस्तीकरण :

'द रूलज फार सप्लाइ आफ ड्रेसिज टू द आफिसरज आफ द विधान सभा सैक्रेरियेट 1994' तत्काल निरस्त हो जायेंगे।

हस्ताक्षरित/-
सचिव।

परिशिष्ट

क्रम संख्या	विशेष वर्दी	स्वीकृत अवधि	वर्दी का रंग	वर्दी की कीमत
1	2	3	4	5

सभा पटल अधिकारियों और प्रतिवेदकों के लिए

गमियों के लिए :

पुरुष :

1. सभा पटल अधिकारी	दो बटन का कोट व पैट	तीन वर्ष में एक वर्दी	नेवी ब्लू कोट, ग्रे पैट, लाल टाई व सफेद/हल्की आसमानी कमीज	3000 रु0
2. प्रतिवेदक	दो बटन का कोट व पैट	तीन वर्ष में एक वर्दी	बिस्कुट कलर	2500 रु0

1	2	3	4	5
महिला :				
3. प्रतिवेदक	दो पूरी बाजू की कमीज, दो सलवार, दो दुपट्टे या दो साड़ियाँ, दो ब्लाउज व एक स्वेटर ।	तीन वर्ष में एक वर्दी	बिस्कुट कलर	2500 रु०
सर्दियों के लिए :				
पुरुष :				
1. सभा पटल अधिकारी	बंद गले का कोट व व पैंट ।	तीन वर्ष में एक वर्दी	काले रंग का कोट व पैंट ।	3000 रु०
2. प्रतिवेदक	बंद गले का कोट व पैंट ।	तीन वर्ष में एक वर्दी	लाईट ब्राउन	3000 रु०
महिला :				
3. प्रतिवेदक	दो पूरी बाजू कमीज, दो सलवार, दो दुपट्टे, एक स्वेटर/छोटा कोट या दो साड़ियाँ, एक स्वेटर/छोटा कोट ।	तीन वर्ष में एक वर्दी	लाईट ब्राउन	3000 रु०
देखभाल कर्मचारियों के लिए				
	टैनिंग जूते	दो वर्ष में एक बार	सफेद रंग	200 रु०
गर्भवियों के लिए	कालर वाला तथा खुले गले का सफारी सूट ।	तीन वर्ष में एक वर्दी	क्रीम कलर	600 रु०
सर्दियों के लिए	बंद गले का कोट व पैंट ।	तीन वर्ष में एक वर्दी	काला कोट व नीली पैंट ।	1300 रु०
	हिमाचली टोपी	दो साल में एक बार		100 रु०
विशेष प्राध्वान (केवल एक के लिए) ।	पगड़ी तथा तुरला	दो साल में एक बार	सफेद पगड़ी तथा लाल रंग का तुरला जरी के साथ	250 रु०

Shimla-4, the 3rd August, 2001

No. 3-73/83-VS.—In exercise of the powers vested in him under section-7 of the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Act, 1971 (Act No. 8 of 1971), the Speaker Himachal Pradesh Vidhan Sabha is pleased to make Rules in order to carry out the following amendment in Rule 3 of Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Rules, 1971, namely:—

Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances & Pension of Members) (1st Amendment) Rule, 2001.

2. These rules shall come into force at once.

Amendment of Rule-3 (2) and note-5.—(3) The words “Rupees four and paise fifty.” wherever occurred be read as “Rupees five.”

By order,

Sd/-

Secretary,
Vidhan Sabha (H. P.).

